भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *279

जिसका उत्तर 11 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

.....

नदियों/सहायक नदियों का विलुप्त होना

***279. श्री हनुमान बैनिवाल:**

श्री मोहम्मद आजम खां:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में नदियों की कुल संख्या कितनी है और उनकी लंबाई तथा अवस्थिति सहित उनका राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इन नदियों की सहायक नदियों की संख्या कितनी है और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में सभी बड़ी और छोटी नदियों की गणना कराई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या कुछ नदियां और कतिपय बड़ी नदियों की सहायक नदियां सूख गई हैं या सूखने/विलुप्त होने के कगार पर हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी संख्या और ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या इस स्थिति से निपटने और ऐसी नदियों को विलुप्त होने से बचाने की सरकार की कोई कार्ययोजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेंद्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

श्री हनुमान बैनिवाल और श्री मोहम्मद आजम खां द्वारा "नदियों/सहायक नदियों का विलुप्त होना" विषय पर पूछे गए दिनांक 11.07.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या 279 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख) नदी बेसिनों को जल संसाधनों की आयोजना एवं प्रबंधन के लिए बुनियादी जल-विज्ञानीय इकाई माना जाता है। देश को 20 नदी बेसिनों में विभाजित किया गया है। नदियों और उनकी लंबाई का बेसिन-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-I और अनुलग्नक- II** में दिया गया है।

(ग) नदियों का बड़ी और छोटी नदियों की श्रेणी में कोई वर्गीकरण नहीं किया गया है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) केवल महत्वपूर्ण/बड़ी नदियों की निगरानी करता है।

(घ) और (ड.) देश में दो तरह की नदियां हैं; (1) बारहमासी नदियां और (2) गैर-बारहमासी नदियां। बारहमासी नदियों में पूरे साल जल उपलब्ध रहता है। गै -बारहमासी नदियां वर्षा-पोषित हैं जिनमें वर्षा काल में ही जल प्रवाहित होता है। नदियों में प्रवाह एक सक्रिय मानदंड है और वर्षा, उसके वितरण और जल ग्रहण क्षेत्र में सघनता, जल ग्रहण क्षेत्र की विशेषताएं और जल निकासी/जल का उपयोग जैसे कई मानदंडों पर निर्भर करता है। प्रमुख नदियों के टर्मिनल स्थानों के पिछले 20 वर्ष के वार्षिक औसत प्रवाह को देखते हुए जल उपलब्धता में कोई खास वृद्धि/कमी नहीं देखी गई है।

"नदियों/सहायक नदियों का विलुप्त होना" विषय पर लोक सभा में दिनांक 11.07.2019 को उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या 279 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

अनुलग्नक-I

नदियों का बेसिनवार ब्यौरा *

क्र.सं.	बेसिन का नाम	जलग्रहण क्षेत्र (वर्ग कि.मी.)	नदी की लंबाई (कि.मी.)- केवल भारतीय हिस्सा	कुछ प्रमुख सहायक नदियां
1	सिंधु	321289	1114	सिंधु, गिलगित, सतलुज, झेलम, श्योक ब्यास, रावी, चिनाब
2	गंगा	861452	2525	घाघरा, गंडक, कोसी, यमुना, रामगंगा, सोन, केन
3	ब्रह्मपुत्र	194413	916	तीस्ता, धनसिरी, कलुंग, मानस, सुक्ला, सुबनसिरी
4	बराक और अन्य	41723	564	तुलंग
5	गोदावरी	312812	1465	डारना, कदवा, प्रवारा, पूर्णा, मंजरा, कददम, प्राणहिता, इंद्रावती, सबरी
6	कृष्णा	258948	1400	कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा,
7	कावेरी	81155	800	हरंगी, हेमवती, कब्बानी, भवानी
8	सुबर्णरेखा	29196	395- सुबर्णरेखा 164-बूढ़ाबलांग	खरकई, सोन, चीपत
9	ब्राह्मणी और बैतरणी बेसिन	51822	ब्राह्मणी -799 बैतरणी -355	संख, सालंदी, रामियाला
10	महानदी	141589	851	सलारिया, पैरी, सियोनाथ, जोंक, हसदेव
11	पेन्नार	55213	597	चित्रावती
12	माही	34842	583	सोम, पानम
13	साबरमती	21674	371	हाथमती, वतरक
14	नर्मदा	98796	1312	बरना, तवा, कोलार, छोटा तवा, मन, हटनी, कर्जन
15	तापी	65145	724	पूर्णा, गिरना, वाघुर
16	तापी से तादड़ी तक पश्चिम की ओर बहने वाली नदियां	55940	बहने वाली कई स्वतंत्र नदियां	दमनगंगा, वैतरणा, उल्हास, कुंडलिका, चपोरा, कालीनदी
17	तादड़ी से कन्याकुमारी तक पश्चिम की ओर बहने वाली नदियां	56177	बहने वाली कई स्वतंत्र नदियां	शारावती, वरही, भरतपुझा, कुरुमाली, पेरियार, पम्बा, कल्लदा
18	महानदी और पेन्नार के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियां	86643	बहने वाली कई स्वतंत्र नदियां	रुशिकुल्या, वंसधारा, नागवल्ली, तांडव, पेद्दा एरु, एररा कलावा, गुंडलकम्मा
19	पेन्नार और कन्याकुमारी के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियां	100139	बहने वाली कई स्वतंत्र नदियां	उप्पेरुलु, अरनी, पलार, पोन्नैयार, वेल्लार, वैगई
20	लूनी सहित कच्छ और सौराष्ट्र की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियां	321851	511 (लूनी नदी)	शतरुंजी, भादर, माछू, बनास, लूनी

* इन बेसिनों में लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लद्दाख क्षेत्र के हिस्से शामिल नहीं हैं।

अनुलग्नक-II

"नदियों/सह□□ नदियों क□ विलुप्त □□□" विषय पर लोक सभा में दिनांक 11.07.2019 को उत्तर दिए जाने वा□□ तारांकित प्रश्न संख्या 279 □□□□ (□) □□ (□) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

कुछ सहायक नदियों की लंबाई

बेसिन का नाम	नदी का नाम	नदी की लंबाई (कि.□□.)
सिंधु	गिलगित	186
	सतलुज	657
	झेलम	221
	श्योक	450
	ब्यास	493
	रावी	258
	चिनाब	431
गंगा	घाघरा	875
	गंडक	558
	कोसी	337
	यमुना	1516
	रामगंगा	666
	सोन	823
	केन	410
ब्रह्मपुत्र	तीस्ता	330
	धनसिरी	350
	कलुंग	167
	मानस	101
	शुक्ला	36
	सुबनसिरी	384
बराक और अन्य	तुईलंग	36
गोदावरी	डारना	102
	कडवा	91
	प्रवारा	219
	पूर्णा	382
	मंजरा	737
	कद्दाम	94
	प्राणहिता	116
	इंद्रावती	640
	सबरी	450
कृष्णा	कोयना	151
	घटप्रभा	299
	मालप्रभा	326
	भीमा	864
	तुंगभद्रा	553
कावेरी	हारंगी	54
	हेमावती	234
	कब्बानी	238
	भवानी	235
सुबर्णरेखा	खरकई	174
	सोन	98
	चीपत	29
ब्राह्मणी और बैतरणी	संख	230

	सालांदी	133
	रमियाला	39
महानदी	सलारिया	16
	पैरी	141
	सेवनाथ	385
	जोंक	202
	हसदेव	333
पेन्नार	चित्रावती	221
माही	सोम	158
	पानम	136
साबरमती	हाथमती,	116
	वतरक	257
नर्मदा	बरना,	112
	तवा	180
	कोलार	105
	छोटा तवा	58
	मन	60
	हटनी	35
	कर्जन	97
तापी	पूर्णा	380
	गिरना	335
	वाघुर	117
तापी से तादड़ी तक पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ	दमनगंगा	146
	वैतरणा	70
	उल्हास	137
	कुण्डलिक	74
	चपोरा	27
	कालीनदी	178
तादड़ी से कन्याकुमारी तक पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ	शारावती	133
	वरही	लागू नहीं
	भरतपुझा	100
	कुरुमार्ली	53
	पेरियार	283
	पम्बा	190
	कल्लादा	126

बेसिन का नाम	नदी का नाम	नदी की लंबाई (कि.मी.)
महानदी और पेन्नार के बीच पूर्व बहने वाली नदियां	रुशीकुलया	161
	वंसधारा	270
	नागवल्ली	250
	तांडवा	99
	पेद्दा इरु	115
	एर्रा कालवा	लागू नहीं
	गुंडलकम्मा	268
पेन्नार और कन्याकुमारी के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियां	उप्पुलेरू	लागू नहीं
	अरनी	117
	पलार	379
	पोन्नैयार	291
	वेल्लार	50
	वैगई	312
लूणी सहित कच्छ और सौराष्ट्र की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियां	शेतरूंजी	178
	भादर	182
	माछू	143
	बनास	274
	लूनी	511

*****